डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज
(काशी हिंदू विश्वविद्यालय)

NSS UNIT E
एन.एस.एस. इकाई E
कार्यक्रम अधिकारी: डॉ. ऋचा गुप्ता
दिनांक: 02 मार्च 2025
स्थान: धर्मसंघ शिक्षामंडल, दुर्गाकुंड, वाराणसी

एन.एस.एस. (राष्ट्रीयसेवा योजना) के सात दिवसीयविशेष शिविर का प्रथम दिवसअत्यंत उत्साह एवं सेवा भावनासे परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम काशुभारंभ प्रातःकाल हुआ, जिसमें स्वयंसेवकोंने सामाजिक सेवा के प्रतिअपनी प्रतिबद्धता को दर्शाया।
प्रथमचरण में धर्मसंघ शिक्षामंडलप्रांगण की सफाई अभियानचलाया गया, जिसमें सभीस्वयंसेवकों ने मिलकर परिसरको स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनानेमें महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके उपरांत बैठनेकी व्यवस्था हेतु दरी को बिछाया गया।

इसकेपश्चात, सभी स्वयंसेवकों नेआत्म-परिचय सत्र में भागलिया, जहाँ प्रत्येक स्वयंसेवकने अपने विचार साझाकिए एवं सेवा केप्रति अपने उद्देश्यों कोव्यक्त किया। तत्पश्चात, राष्ट्रीय सेवा योजना कीविस्तृत जानकारी प्रदान की गई, जिसमेंइसकी कार्यप्रणाली, उद्देश्य एवं समाज मेंइसकी भूमिका पर प्रकाश डालागया। डॉ. ऋचा गुप्ताद्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना केउद्देश्य व कार्यविधि केबारे में स्वयंसेवकों कोविस्तार पूर्वक बताया गया। एक स्वयंसेवकएवं स्वयंसेविका के रूप मेंकिस प्रकार अपने कर्तव्य कानिर्वहन करना चाहिए, इसकेबारे में जानकारी दीगई। 10-10 स्वयंसेवकों को पाँच समूहों में बाँटा गया और हर समूह के स्वयंसेवकों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। स्वयंसेवकों को उनकी सक्रियता एवं भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु डायरी एवं बैच वितरित किए गए तथा उनकी उपस्थिति दर्ज की गई। इसके पश्चात, एन.एस.एस. की पारंपरिक तालियों की अभ्यास सत्र आयोजित किया गया, जिससे अनुशासन एवं एकता का संदेश दिया गया। इसके साथ ही, सभी स्वयंसेवकों ने पूरे जोश एवं उत्साह के साथ एन.एस.एस. लक्ष्य गीत गाया, जिससे शिविर में ऊर्जा एवं प्रेरणा का संचार हुआ।

शिविरके अगले महत्वपूर्ण सत्रमें भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रशिक्षक श्रीदीपक कुमार द्वारा वित्तीय साक्षरता एवं निवेश जागरूकताकार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंनेयुवाओं को वित्तीय नियोजन, बचत, निवेश के विभिन्न विकल्पोंएवं उनके दीर्घकालिक लाभोंकी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने वित्तीयसाक्षरता से जुड़ी कुछमहत्वपूर्ण बातें भी साझा की, जैसे:

1. वित्तीय साक्षरता से हमें अपनी आमदनी का उचित प्रबंधन करने में मदद मिलती है।
2. इससे हम समझदारी से उधार लेते हैं।
3. इससे हम वित्तीय समस्याओं से बच सकते हैं।
4. इससे हम घोटालों से बच सकते हैं।
5. इससे हम भविष्य की योजना बना सकते हैं।

श्रीदीपक जी ने वित्तीयसाक्षरता को बढ़ाने केलिए कुछ उपाय भीसुझाए, जैसे:

1. बजट बनाएँ।
2. ज़रूरी खर्चों को प्राथमिकता दें।
3. बीमा कराएँ।
4. शेयर बाजार में निवेश करें।

इसकेसाथ-साथ उन्होंने सरकारद्वारा चलाई गई कुछयोजनाओं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, जीवन ज्योति बीमाआदि के बारे मेंभी जानकारी दी। उन्होंने अपनीवाणी को इन दोपंक्तियों के साथ विरामदिया:
"If you want to earn more money, you should learn more about money."

दिन के अंत में, अगलेदिन की योजनाओं एवंकार्य विभाजन पर चर्चा कीगई। आगामी सत्र को औरअधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यकव्यवस्थाओं, बैठने की व्यवस्था, कार्यविभाजन, एवं स्वयंसेवकों कीभूमिका पर विचार-विमर्शकिया गया। इसके साथही, स्वयंसेवकों की भर्ती औरउनके कार्यों के उचित निर्धारणपर चर्चा की गई, ताकिअगले दिन की कार्यप्रणाली और अधिक प्रभावशालीएवं उत्पादक हो।
इस प्रकार, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ऋचा गुप्ताके संरक्षण में राष्ट्रगान केसाथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापनकिया गया।

डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज

(काशी हिंदू विश्वविद्यालय)

NSS UNIT E
एन.एस.एस. इकाई E
कार्यक्रम अधिकारी: डॉ. ऋचा गुप्ता
दिनांक: 03 मार्च 2025
स्थान: धर्मसंघ शिक्षामंडल, दुर्गाकुंड, वाराणसी

एन.एस.एस. (राष्ट्रीय सेवा योजना) के सात दिवसीय विशेष शिविर का दूसरा दिवस भी सेवा भावना एवं सामाजिक जागरूकता के अनूठे प्रयासों से परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकाल स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण से हुई। इसके पश्चात, अनुशासनबद्ध पंक्तियों में खड़े होकर सभी स्वयंसेवकों ने एन.एस.एस. लक्ष्य गीत का गायन किया और तालियों के अभ्यास के माध्यम से एकता और समर्पण का परिचय दिया।

इसके उपरांत, वित्तीय साक्षरता और महिला सशक्तिकरण पर आधारित प्रश्नावली तैयार की गई, जिसे बनकटी हनुमान मंदिर क्षेत्र की झुग्गी बस्तियों में सर्वेक्षण हेतु प्रयोग किया गया। इस अभियान की शुरुआत एक जागरूकता रैली के माध्यम से की गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने “स्वच्छता ही सेवा है”, “गंदगी जानलेवा है”, “युवा शक्ति बढ़ाए हाथ, एन.एस.एस. से करें शुरुआत” जैसे नारों के साथ क्षेत्रवासियों को जागरूक किया।

रैली के पश्चात, स्वयंसेवकों को चार-चार के समूहों में बाँटकर झुग्गी बस्तियों में सर्वेक्षण कार्य हेतु भेजा गया। सभी स्वयंसेवकों ने विभिन्न परिवारों से संपर्क स्थापित कर महिलाओं, पुरुषों, बच्चों और किशोरियों से संवाद किया और उनकी वित्तीय जागरूकता तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी का आकलन किया।

सर्वेक्षण पूरा करने के पश्चात, सभी स्वयंसेवक वापस लौटे और दोपहर के भोजन में सभी ने स्वयंसेवकों और अन्य स्वयंसेवी सदस्यों के साथ मिलकर भोजन साझा किया, जिससे आपसी सौहार्द और एकजुटता की भावना को बल मिला।

भोजन के उपरांत, सर्वेक्षण से एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण एवं चर्चा की गई। निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि झुग्गी बस्तियों के नागरिकों में सरकारी योजनाओं और नीतियों के प्रति जागरूकता अत्यंत कम है। अधिकांश लोग अपने मौलिक अधिकारों और सुविधाओं से अनभिज्ञ हैं। महिलाओं में आत्मनिर्भरता की भावना अवश्य दिखाई दी, किंतु एक चौंकाने वाली बात यह रही कि उनका 'खुशहाली सूचकांक' मध्यमवर्गीय परिवारों की तुलना में अधिक था।

दिन के समापन से पूर्व, स्वयंसेवकों के बीच भाईचारे और आपसी सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करने हेतु कुछ मनोरंजक खेल खेले गए, जिससे समूह में ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार हुआ। अंत में, पूरे दल ने राष्ट्रीय गान गाकर दिवस के कार्यक्रम का समापन किया।

डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज
(काशी हिंदू विश्वविद्यालय)

NSS UNIT E
एन.एस.एस. इकाई E
कार्यक्रम अधिकारी: डॉ. ऋचा गुप्ता
दिनांक: 04 मार्च 2025
स्थान: धर्मसंघ शिक्षामंडल, दुर्गाकुंड, वाराणसी

सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) शिविर के तीसरे दिवस की शुरुआत प्रातःकाल सभी स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण से हुई। इसके पश्चात, लक्ष्य गीत का सामूहिक गायन किया गया, जिससे स्वयंसेवकों के भीतर सेवा और समर्पण की भावना जागृत हुई। इसके बाद, 'हम होंगे कामयाब' गीत की गूँज ने सभी के हृदयों में आत्मविश्वास और अटूट संकल्प का संचार किया। अंत में, 'सारे जहाँ से अच्छा' गीत की धुन ने राष्ट्रप्रेम और एकता की भावना को और अधिक दृढ़ किया।

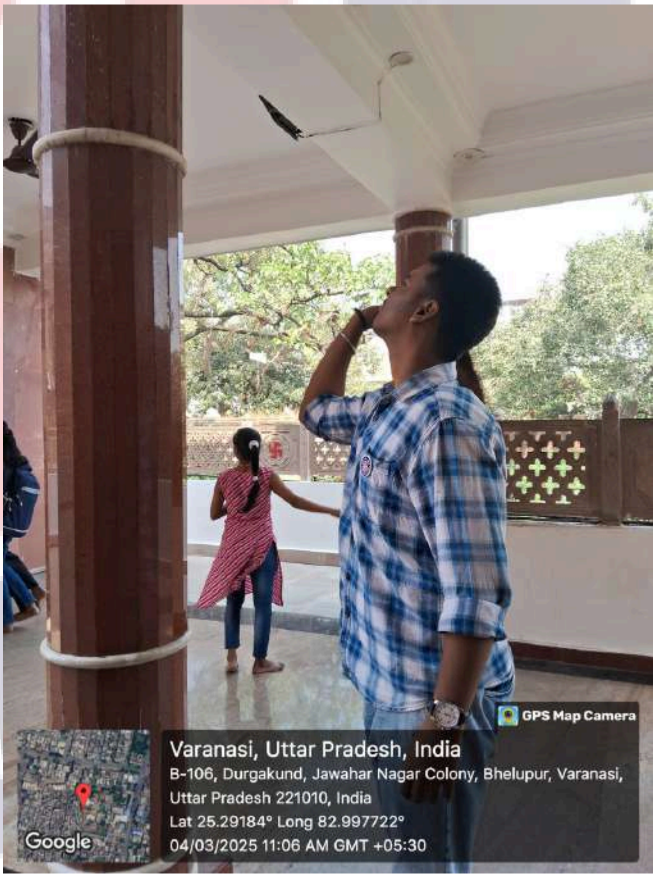

इसके उपरांत, स्वयंसेवकों ने वाराणसी के प्रतिष्ठित एवं आध्यात्मिक स्थल मणि मंदिर, दुर्गाकुंड का भ्रमण किया। इस ऐतिहासिक स्थल में 108 शिवलिंग स्थित हैं, जो आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने का कार्य करते हैं। वहां की आध्यात्मिक शांति एवं दिव्यता ने सभी को प्रभावित किया।
मंदिर भ्रमण के पश्चात, स्वयंसेवकों ने निकटवर्ती सरकारी प्राथमिक विद्यालय में सफाई अभियान चलाया। स्वच्छता के महत्व को समझते हुए सभी ने विद्यालय परिसर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में योगदान दिया।

इसके पश्चात, प्रसिद्ध हास्य-कवि प्रो. अजय श्रीवास्तव 'चकाचौंध ज्ञानपुरी' का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उनके सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने अपनी अनोखी शैली में समाज, नैतिकता और मानवीय मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए अपनी अद्भुत कविताएँ प्रस्तुत कीं। उनकी रचनाएँ मात्र शब्दों का संयोजन नहीं थीं, बल्कि उन्होंने समाज की वास्तविकता, नैतिकता और मानवीय संवेदनाओं को इतनी सजीवता से चित्रित किया कि हर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गया। उनकी हास्यपूर्ण कविताओं ने न केवल मुस्कान बिखेरी बल्कि गहरे विचारों को भी जागृत किया। ‘जलेबी’, ‘दही की कहानी’ और ‘परिवार का महत्व’ जैसी कविताएँ केवल मनोरंजन का साधन नहीं बनीं, बल्कि उन्होंने परिवार, समाज और संबंधों की सच्ची परिभाषा को उजागर किया। उनकी ओजस्वी वाणी ने एक ऐसा वातावरण तैयार किया जिसमें हर व्यक्ति कविता के बहते प्रवाह में बहता चला गया।

Prof. Dr. Ajay Srivastav
(Chakachaundh Gyanpuri)

इस अवसर पर, स्वयंसेवकों में से कुछ, जैसे कि चतुर्थ सेमेस्टर के हर्ष राज और द्वितीय सेमेस्टर के हर्ष चतुर्वेदी, ने भी अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं, जिससे कार्यक्रम और भी प्रेरणादायक बन गया। उनकी कविताओं ने भी प्रेम, सामाजिक जागरूकता और युवा शक्ति को प्रोत्साहित करने का कार्य किया। अल्पविराम के पश्चात, कॉलेज के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वी.एन.एस. दुबे का आगमन हुआ। शिविर के प्रथम दो दिनों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसे देखकर उन्होंने स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें आगे भी इसी जोश और समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। अंत में, उन्होंने धन्यवाद ज्ञापन दिया और सभी स्वयंसेवकों को उनकी सेवा भावना एवं अनुशासन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

इस प्रकार, पूरे दिन की गतिविधियाँ सफलतापूर्वक संपन्न हुईं और दिन का समापन राष्ट्रीय गान के साथ किया गया।

डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज
(काशी हिंदू विश्वविद्यालय)

NSS UNIT E
एन.एस.एस. इकाई E
कार्यक्रम अधिकारी: डॉ. ऋचा गुप्ता
दिनांक: 05 मार्च 2025
स्थान: धर्मसंघ शिक्षामंडल, दुर्गाकुंड, वाराणसी

डी ए वी पीजी कॉलेज की कार्यक्रम अधिकारी डॉ ऋचा गुप्ता द्वारा सप्त दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के चतुर्थ दिन सभी स्वयं सेवक सुनिश्चित समय पर धर्म संघ प्रांगण में उपस्थित हुए और अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का शुभारंभ एनएसएस लक्ष्य गीत, हम होंगे कामयाब, सारे जहां से अच्छा गीत और एनएसएस तालियों से किया गया।

आज के सत्र में वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शांतनू सौरभ स्वयं सेवकों के बीच उपस्थित हुए। उन्होंने स्वयं सेवकों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा के विषय में संवाद किया। उन्होंने साइबर क्राइम से बचाव के उपायों पर भी चर्चा की, जिससे स्वयं सेवकों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता प्राप्त हुई।

इसके बाद योगाचार्या पूर्णिमा मिश्रा जी ने स्वयं सेवकों को योग एवं प्राणायाम के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि योग के माध्यम से हम अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण योगासनों का अभ्यास भी करवाया, जिससे स्वयं सेवकों को योग का प्रत्यक्ष अनुभव मिला।

इस दिन का अनुभव स्वयं सेवकों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक रहा। उन्होंने नई जानकारियाँ प्राप्त कीं और आत्मिक तथा शारीरिक रूप से स्वयं को सशक्त महसूस किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी स्वयं सेवकों ने अपने अनुभव साझा किए और इस विशेष दिन से प्राप्त ज्ञान को अपने जीवन में लागू करने का संकल्प लिया।

राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। साथ ही, कार्यक्रम अधिकारी डॉ ऋचा गुप्ता द्वारा स्वयं सेवकों को जलपान करवाया गया।

डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज

(काशी हिंदू विश्वविद्यालय)

NSS UNIT E
एन.एस.एस. इकाई E
कार्यक्रम अधिकारी: डॉ. ऋचा गुप्ता
दिनांक: 06 मार्च 2025
स्थान: धर्मसंघ शिक्षामंडल, दुर्गाकुंड, वाराणसी

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के पाँचवे दिन की शुरुआत भी जोश और ऊर्जा से भरी रही। स्वयंसेवकों ने सुबह की प्रार्थना के रूप में एन.एस.एस. लक्ष्य गीत, 'सारे जहाँ से अच्छा' तथा एन.एस.एस. ताली गाकर दिन का शुभारंभ किया।

इसके बाद स्वयंसेवकों का पहला पड़ाव पीस पॉइंट हॉस्पिटल, जवाहर नगर था, जहाँ डॉ. मीनाक्षी दीदी (स्त्री रोग विशेषज्ञ) ने तनाव प्रबंधन (Stress Management) पर एक विशेष व्याख्यान दिया। इस सत्र में उन्होंने तनाव क्या है, इसके कारण क्या हैं और इससे बचने के उपाय क्या हो सकते हैं, इस पर गहराई से चर्चा की। उन्होंने बताया कि कैसे ध्यान और आत्मसंवाद के माध्यम से हम मानसिक तनाव को नियंत्रित कर सकते हैं और एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। स्वयंसेवकों ने इस सत्र से बहुत कुछ सीखा और अपने अनुभव साझा किए।

इसके बाद सभी स्वयंसेवक राजकीय वृद्धाश्रम, दुर्गाकुंड पहुँचे, जहाँ उन्होंने वहाँ रह रहे बुजुर्गों से मुलाकात की। स्वयंसेवकों ने उनसे उनके जीवन के अनुभव सुने, उनकी दिनचर्या और समस्याओं को समझा, और उनके साथ मिलकर कुछ समय बिताया। सेवा भावना को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वयंसेवकों ने फल और बिस्कुट वितरित किए और उनकी ज़रूरतों और सामाजिक परिस्थितियों पर एक सर्वेक्षण भी किया। वृद्धजनों ने अपने जीवन की सीखें साझा कीं, जिससे स्वयंसेवकों को सामाजिक दायित्वों की गहरी समझ मिली।

अगला पड़ाव था पूर्व माध्यमिक विद्यालय, दुर्गाकुंड, जहाँ स्वयंसेवकों ने कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के साथ समय बिताया। बच्चों से संवाद किया, उन्हें प्रोत्साहित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया। बच्चों के साथ शैक्षणिक गतिविधियाँ की गईं और खेल-कूद में भी भाग लिया गया। अंत में, स्वयंसेवकों ने दिनभर की गतिविधियों पर चर्चा की और इस अनुभव से मिले सामाजिक और नैतिक सीख को आत्मसात किया। राष्ट्रगान के साथ दिन का समापन हुआ।

डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज
(काशी हिंदू विश्वविद्यालय)

NSS UNIT E
एन.एस.एस. इकाई E
कार्यक्रम अधिकारी: डॉ. ऋचा गुप्ता
दिनांक: 07 मार्च 2025
स्थान: धर्मसंघ शिक्षामंडल, दुर्गाकुंड, वाराणसी

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के छठे दिन की शुरुआत उत्साह और उमंग से भरी रही। सभी स्वयंसेवकों में कुछ नया सीखने और करने की ललक स्पष्ट रूप से दिखाई दी।
प्रातः स्वयंसेवक निर्धारित समय पर डी ए वी पीजी कॉलेज के खेल मैदान परिसर में एकत्रित हुए और कार्यक्रम की शुरुआत लक्ष्य गीत, हम होंगे कामयाब, सारे जहां से अच्छा के सामूहिक गायन और एन.एस.एस. ताली बजाकर की गई।
इसके पश्चात, स्वयंसेवकों ने महिला सशक्तिकरण के समर्थन में एक जागरूकता रैली निकाली। इस रैली के दौरान, स्वयंसेवकों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ नारों का उद्घोष किया—
"नारी है शक्ति, नारी है अभिमान।
नारी से ही रोशन यह सारा जहान।।"
इस रैली का उद्देश्य समाज में महिलाओं के अधिकारों, उनकी आत्मनिर्भरता और उनकी सुरक्षा से संबंधित जागरूकता फैलाना था। स्वयंसेवकों ने अपने नारों और संदेशों के माध्यम से समाज को यह स्पष्ट किया कि महिलाओं की शक्ति को पहचानना और उन्हें समान अवसर प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है।

इसके बाद, स्वयंसेवक कॉलेज के स्वर्गीय पी.एन. सिंह हॉल में एकत्रित हुए, जहाँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आर. एस. मिश्रा और डॉ. आशुतोष मोहन थे। डॉ. आर. एस. मिश्रा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्व और इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह नीति शिक्षा प्रणाली को अधिक समावेशी और व्यावहारिक बनाने के लिए लागू की गई है। उन्होंने पाठ्येतर गतिविधियों (Extra-Curricular Activities) को नई शिक्षा नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बताया, जिससे छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा मिलता है।
इसके बाद, डॉ. आशुतोष मोहन ने शिक्षा नीति में किए गए संशोधनों और नए विषयों के समावेश पर चर्चा की। उन्होंने सुझाव दिया कि पेंटिंग और ड्रामा जैसे रचनात्मक विषयों को शिक्षा प्रणाली में अधिक महत्व दिया जाना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभाओं को निखारा जा सके। इस व्याख्यान से स्वयंसेवकों को शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं को समझने और उनके महत्व को आत्मसात करने का अवसर मिला।

इसके पश्चात, स्वयंसेवक पुनः कॉलेज के खेल मैदान परिसर में एकत्रित हुए, जहाँ वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश फैलाने के उद्देश्य से स्वयंसेवकों ने फलदार और फूलों के पौधे रोपे और उनकी देखभाल की शपथ ली। इस अभियान के दौरान, सभी ने पर्यावरण बचाने हेतु नारे लगाए—

"धरती माता करें पुकार, वृक्ष लगाकर करो श्रृंगार।"

इसके बाद, खेल-कूद और शारीरिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए रस्साकसी प्रतियोगिता (Tug of War) का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की गई—

1 पहले चरण में यूनिट ई और यूनिट एच की स्वयंसेविकाओं के बीच प्रतियोगिता हुई। सभी स्वयंसेविकाओं ने अनुशासन का पालन करते हुए अपनी शक्ति और समर्पण का परिचय दिया। इस मुकाबले में यूनिट ई की स्वयंसेविकाओं ने शानदार प्रदर्शन कर जीत हासिल की।

2 दूसरे चरण में यूनिट ई और यूनिट एच के स्वयंसेवकों के बीच मुकाबला हुआ। प्रतियोगिता के दौरान सभी स्वयंसेवकों में उत्साह और जोश चरम पर था। प्रत्येक स्वयंसेवक ने पूरी ऊर्जा के साथ जीतने का प्रयास किया। इस रोमांचक मुकाबले में यूनिट ई के स्वयंसेवक विजयी हुए। उनकी जीत के बाद पूरे मैदान में खुशी और उत्साह की लहर दौड़ गई।

प्रतियोगिता के बाद, स्वयंसेवकों ने महिला सशक्तिकरण पर विचार-विमर्श किया, जिसमें उन्होंने समाज में महिलाओं की स्थिति, उनके सामने आने वाली चुनौतियाँ और लैंगिक असमानता के समाधान पर गहराई से चर्चा की। चर्चा में यह निष्कर्ष निकला कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और शिक्षित बनाना ही सशक्त समाज की नींव रख सकता है।

अंत में, अगले दिन होने वाले अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की योजनाओं पर चर्चा की गई, जिसमें महिलाओं की उपलब्धियों और उनकी भूमिका को उजागर करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने की रणनीति बनाई गई।

इस सफल दिन का समापन महिला सशक्तिकरण के नारों और राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस पूरे दिन ने स्वयंसेवकों के भीतर सामाजिक चेतना को और अधिक मजबूत किया तथा उन्हें प्रेरित किया कि वे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहें।

डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज

(काशी हिंदू विश्वविद्यालय)

NSS UNIT E
एन.एस.एस. इकाई E
कार्यक्रम अधिकारी: डॉ. ऋचा गुप्ता
दिनांक: 08 मार्च 2025
स्थान: धर्मसंघ शिक्षामंडल, दुर्गाकुंड, वाराणसी

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय विशेष शिविर का अंतिम दिन आध्यात्मिक शांति और सामाजिक जागरूकता के संगम के साथ संपन्न हुआ। इस पूरे शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने सेवा, समर्पण और सामूहिकता के अद्भुत अनुभव प्राप्त किए। सातवें दिन की शुरुआत पीसप्वाइंट हॉस्पिटल, चेतमनी, वाराणसी में राजयोग मेडिटेशन सत्र के साथ हुई। इस सत्र में स्वयंसेवकों ने ध्यान और मानसिक शांति के महत्व को समझा। प्रशिक्षकों ने बताया कि कैसे राजयोग ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने तनाव को नियंत्रित कर सकता है और जीवन में आत्मिक शांति प्राप्त कर सकता है।

इसके बाद, सभी स्वयंसेवक धर्मसंघ शिक्षामंडल, दुर्गाकुंड, वाराणसी पहुँचे। वहाँ उन्होंने शिविर के पारंपरिक उद्घाटन की तरह लक्ष्य गीत, हम होंगे कामयाब, और सारे जहाँ से अच्छा का सामूहिक गायन किया। यह क्षण सभी के भीतर ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करने वाला था।

इसके बाद, शिविर में काव्य पाठ सत्र आयोजित किया गया, जिसमें कुछ स्वयंसेवकों ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। हर्ष राज सिंह, हर्ष चतुर्वेदी और हिमांशु जायसवाल ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज, प्रेरणा और सेवा भाव से जुड़े विचार साझा किए। इन कविताओं ने सभी को न केवल भावनात्मक रूप से जोड़ा बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित भी किया।
इसके पश्चात, यूनिट एच, एनएसएस द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसका विषय महिला वित्तीय साक्षरता और समाज में व्याप्त रूढ़िवादिता था। इस नुक्कड़ नाटक ने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने और समाज में व्याप्त कई कुरीतियों को समाप्त करने की आवश्यकता को उजागर किया। इस प्रस्तुति ने उपस्थित सभी लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया कि कैसे समाज में महिलाओं को सही अवसर और समानता प्रदान करके बदलाव लाया जा सकता है।

नुक्कड़ नाटक के बाद, स्वयंसेवकों ने धर्मसंघ गौशाला में जाकर गौ माता को गुड़ अर्पित किया और गौसेवा के महत्व को समझा। इस सेवा कार्य ने सभी स्वयंसेवकों को प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति दयालुता और कर्तव्य की भावना से जोड़ा।
अंत में, सभी स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय गान का गायन किया और इस सप्त दिवसीय विशेष शिविर का विधिवत समापन किया। यह शिविर स्वयंसेवकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा, जिसमें उन्होंने समाज सेवा, अनुशासन, नेतृत्व और आत्मविकास की नई ऊंचाइयों को छुआ। इस शिविर ने उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित की और भविष्य में राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।